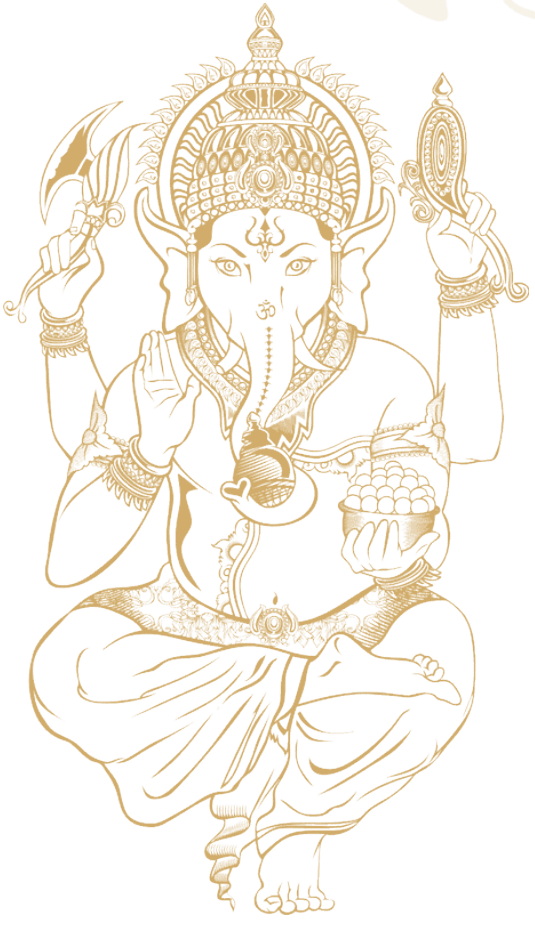

Akchay pande

06 May 2011

05:02 PM

Katni

Model: web-freekundliweb

Order No: 121582104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/05/2011**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:02:00 घंटे**
इष्ट	28:46:34 घटी
स्थान	**Katni**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	80:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:53:56 घंटे
वेलान्तर	00:03:21 घंटे
साम्पातिक काल	07:49:51 घंटे
सूर्योदय	05:31:22 घंटे
सूर्यास्त	18:38:28 घंटे
दिनमान	13:07:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:35:30 मेष
लग्न के अंश	00:58:26 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	अतिगण्ड
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	00:58:26	325:00:37	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
सूर्य			मेष	21:35:30	00:58:08	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			वृष	28:02:05	12:39:13	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	मेष	02:20:43	00:45:26	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध			मीन	25:14:38	00:54:17	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु			मीन	29:33:49	00:13:57	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	स्वराशि
शुक्र			मीन	24:31:24	01:12:45	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि	व		कन्या	17:33:42	00:03:26	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	29:48:50	00:00:13	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	29:48:50	00:00:13	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			मीन	08:57:54	00:02:44	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
नेप			कुंभ	06:41:53	00:00:54	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	13:18:11	00:00:47	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	01:28:38	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:12

लग्न-चलित

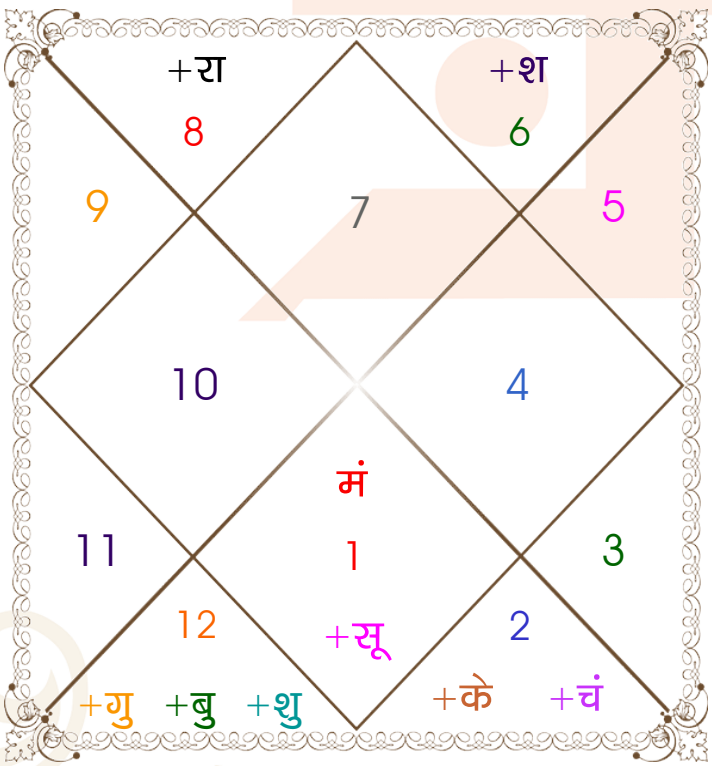

चन्द्र कुंडली

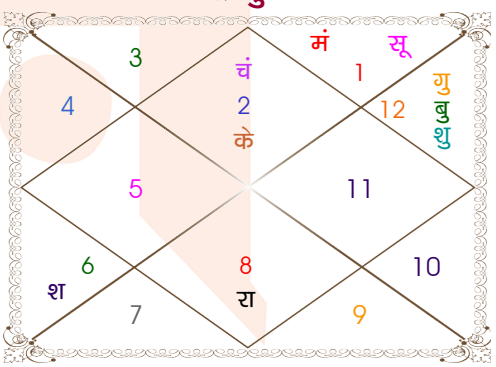

नवमांश कुंडली

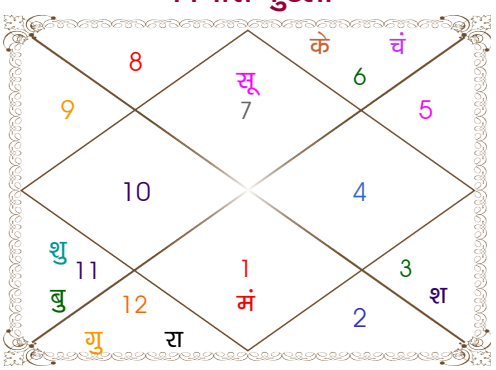

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 6 मास 11 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/05/2011		16/11/2015		16/11/2033		16/11/2049		16/11/2068	
16/11/2015		16/11/2033		16/11/2049		16/11/2068		16/11/2085	
	00/00/0000	राहु	30/07/2018	गुरु	04/01/2036	शनि	19/11/2052	बुध	14/04/2071
	00/00/0000	गुरु	22/12/2020	शनि	17/07/2038	बुध	30/07/2055	केतु	11/04/2072
	06/05/2011	शनि	29/10/2023	बुध	22/10/2040	केतु	07/09/2056	शुक्र	09/02/2075
शनि	17/05/2012	बुध	18/05/2026	केतु	28/09/2041	शुक्र	07/11/2059	सूर्य	17/12/2075
बुध	14/05/2013	केतु	05/06/2027	शुक्र	29/05/2044	सूर्य	19/10/2060	चंद्र	17/05/2077
केतु	10/10/2013	शुक्र	05/06/2030	सूर्य	17/03/2045	चंद्र	21/05/2062	मंगल	15/05/2078
शुक्र	11/12/2014	सूर्य	30/04/2031	चंद्र	17/07/2046	मंगल	29/06/2063	राहु	01/12/2080
सूर्य	17/04/2015	चंद्र	28/10/2032	मंगल	23/06/2047	राहु	05/05/2066	गुरु	09/03/2083
चंद्र	16/11/2015	मंगल	16/11/2033	राहु	16/11/2049	गुरु	16/11/2068	शनि	16/11/2085

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/11/2085		16/11/2092		17/11/2112		17/11/2118		17/11/2128	
16/11/2092		17/11/2112		17/11/2118		17/11/2128		00/00/0000	
केतु	14/04/2086	शुक्र	17/03/2096	सूर्य	06/03/2113	चंद्र	18/09/2119	मंगल	15/04/2129
शुक्र	14/06/2087	सूर्य	17/03/2097	चंद्र	05/09/2113	मंगल	18/04/2120	राहु	03/05/2130
सूर्य	20/10/2087	चंद्र	16/11/2098	मंगल	11/01/2114	राहु	17/10/2121	गुरु	09/04/2131
चंद्र	20/05/2088	मंगल	16/01/2100	राहु	05/12/2114	गुरु	16/02/2123	शनि	07/05/2131
मंगल	16/10/2088	राहु	17/01/2103	गुरु	24/09/2115	शनि	17/09/2124		00/00/0000
राहु	04/11/2089	गुरु	17/09/2105	शनि	05/09/2116	बुध	16/02/2126		00/00/0000
गुरु	11/10/2090	शनि	17/11/2108	बुध	12/07/2117	केतु	17/09/2126		00/00/0000
शनि	19/11/2091	बुध	18/09/2111	केतु	17/11/2117	शुक्र	18/05/2128		00/00/0000
बुध	16/11/2092	केतु	17/11/2112	शुक्र	17/11/2118	सूर्य	17/11/2128		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 6 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरूचि के अनुसार अपनी जीवन संगिनी अर्थात् अपनी पत्नी का चयन करेंगे। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगे। आप उच्च स्तर के भावुक प्राणी है। आप अपनी संगिनी को हार्दिक प्यार करते हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करते हों। आप पूर्ण रूपेण अपनी संगिनी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगिनी आपकी अभिरूचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करती है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपनी संगिनी को कुछ उपहार नहीं देते हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाते हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगे, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगे। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगे।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगे तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगे। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगे। आपमें विभिन्न आकर्षक विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करते हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहते हैं। आप किसी भी प्रकार की करूण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करते हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मेड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छे एवं सौम्य व्यक्ति हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकते हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकते हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगे। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रत्ति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकते हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करे तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अर्किटेक्ट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकते हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।